पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

खेमपुर

गाँव - खेमपुर

पंचायत - खेमपुर

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

खेमपुर गाँव का परिचय

खेमपुर गाँव खेमपुर ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है जो कि जिला कार्यालय डूंगरपुर से 35 किलोमीटर दूर बसा हुआ है। खेमपुर गाँव से सटे हुए गाँव है - उत्तर में रतनपुरा और वागदरी, पूर्व में गणेशपुर, दक्षिण में भचडीया और पश्चिम में सवगड गाँव है । खेमपुर एक राजस्व गाँव है, जिसमें निम्न फलें है-

1. मोलाईफला
2. नवाघरा
3. पाटीदार बस्ती
4. यादव बस्ती

मुख्य खेमपुर गाँव में ही ग्राम पंचायत भवन है। खेमपुर गाँव में शिलालेख वर्ष 2018 में हो चुका है और गाँव सभा का गठन भी उसी दिन कर दिया गया । खेमपुर गाँव में 600 घर है जिनकी आबादी करीब 2000 है । गाँव में एस. टी. जाति के अलावा ओबीसी जाति के लोग निवास करते है । एस.टी. जाति में परमार, ननोमा, कटारा, अहारी, ओ.बी.सी. जाति में पाटीदार, सुथार समाज के लोग है । गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है । पेसा कानून की शक्ति के तहत ही अभी गाँव सभा ने शराब बंदी करवाई है । हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । जिसमे गाँव की समस्याओं तथा आपसी मुद्दों पर बातचीत की जाती है ।

गाँव की पूरी जमीन 491.99 हेक्ट है जिसमें कृषि योग्य जमीन, बेनामी जमीन तथा चरागाह की जमीन है । गाँव में जंगल की जमीन है किन्तु ये वन विभाग के कब्जे में है । गाँव में प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधन के नाम पर गाँव में 2 मंदिर, 2 चौराहा, 2 नहर, 20 कुआ,1 तालाब, 3श्मशान घाट,1 सामुदायिक भवन, 1 उप-स्वास्थ्य केंद्र, 1 पंचायत भवन,2 प्रा. विद्यालय और 1 मा. विद्यालय, 1आंगनवाड़ी, 1 निर्माणाधीन बीज गोदाम है ।

आवागमन की स्थिति

गाँव के भीतर से 4 पक्की सड़के गुजरती है जो वागदरी, भचडिया और सवगड निकलती है । गाँव में इसके अलावा 5 सी.सी. सड़क और 5 कच्ची सड़क है । वागदरी जाने वाली पक्की सड़क काफी ज्यादा टूट गयी है उसमें से कंक्रिट गिट्टी निकल गयी है । और गाँव के भीतर ले जाने वाली रोड आधी सी.सी. रोड तथा आधी पक्की रोड है लेकिन यह काफी टूट गयी है । गाँव की मुख्य सड़क जो भचडिया - खेमपुर जाती है उस पर प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन गाँव के दूसरे फलों में जाने के लिए मिल जाते है, गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल, ऑटो या पैदल जाया जा सकता है। खरिदारी के लिए बड़ा बाजार हथाई में है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 35 किमी दूर आना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरिदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरिदारी की जाती है। डूंगरपुर आने के के लिए मुख्य सड़क से बस, जीप या ऑटो मिल जाता है।

स्वास्थय व शिक्षा

गाँव में 2 प्राइमरी विद्यालय तथा 1उच्च माध्यमिक स्कूल है। प्राथमिक स्कूलों की छत से बारिश में पानी टपकता है और बच्चों के लिए अलग अलग शौचालय भी नहीं है । उच्च माध्यमिक स्कूल में खेल के मैदान की बाउन्ड्री नहीं है और शौचालय की हालत जर्जर है, जिसके मरम्मत के लिए वे प्रार्थना पत्र दे चुके है । उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे डूंगरपुर में ही कमरा किराये पर लेकर रहते है ।

गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है जो सही हालत में है और दवाइयाँ भी मिल जाती है । जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 35 किमी दूर डूंगरपुर में है।

सरकारी योजनाएँ

खेमपुर गाँव के अधिकतर घर पाटीदार समाज के है जो की शिक्षा, कृषि और धन संपदा के मामले दूसरे समाज के लोगो से अधिक सम्पन्न है । पाटीदार समाज के सभी घरों में बिजली है। इसके अलावा भी दूसरे घरों में भी बिजली और शौचालय की सुविधा है । गाँव में 90 इंदिरा आवास और 1 प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है । खेमपुर गाँव में 70 प्रतिशत घरों में उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि जमीन का ज्यादा हिस्सा पाटीदार समाज के पास है जिसपर गेंहू, मक्का, उडद, मूंग, चावल और चना की खेती की जाती है। पाटीदार समाज के पास सिंचाई के लिए अच्छे संसाधन है जैसे बोरवेल, मोटर, गहरे कुएं और समतल जमीन । दूसरे समाज के लोग भी खेती करते है लेकिन सिंचाई और समतल भूमि के अभाव में यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही अनाज हो पाता है। रोजगार के नाम पर मनरेगा और कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है।

सिंचाई की व्यवस्था

सिंचाई के लिए 1 तालाब है जिससे सोम नहर निकलती है । कुआँ, नहर, बोरवेल की सुविधा है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में पानी का जल स्तर निचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है । तालाब ज्यादा गहरा नही है और नहर भी टूटी हुई है लगभग 10 साल से पानी आना बंद हो गया है ।

जंगल व चारागाह-बिलानाम जमीन

गाँव का जंगल और पहाड़ दोनों ही वन विभाग के कब्जे में है । पूरे पहाड पर विदेशी बबूल उगा है जिसे पशु भी नहीं खाते है । जंगल में भी कटीली झाडिया और बबूल के पेड़ उगे है ।इनकी लकड़ी ना तो गाँववासी जलाते है ना ही ये किसी और काम आती है । बिलानाम जमीन गाँव के कब्जे में है ।

खेमपुर गाँव की विभिन्न चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गाँव में जंगल उजाड हो गया है, जहां आज से 30 साल पूर्व पहाड़ियाँ और जंगल हरा-भरा था, वहां पर अभी वर्तमान में कटीली झाडिया और बबूल के पेड़ है, झाडिया जहरीली है जिन्हें पशु भी नहीं खाते है । खली जमीन पर लोगों ने कब्जे करके अपने मकान-खेत बना लिये है। समतल जमीन पर जंगल पूरी तरह से खत्म हो गया है। गाँव में 1 पहाड़ है। गाँव के जंगल और पहाड़ वन विभाग के कब्जे में है ।

आवागमन की समस्या

गाँव के भीतर से 4 पक्की सड़के गुजरती है । वागदरी जाने वाली पक्की सड़क काफी ज्यादा टूट गयी है उसमें से कंक्रिट गिट्टी निकल गयी है । गाँव के भीतर ले जाने वाली रोड आधी सी.सी. रोड तथा आधी पक्की रोड है लेकिन यह काफी टूट चुकी है । गाँव में इसके अलावा 5 सी.सी. सड़क और 5 कच्ची सड़क है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर कच्ची सड़क ही है। पक्की सड़क पर गिट्टी निकलने व खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

खेमपुर गाँव में लोगों ने बिलानाम जमीन पर कब्ज़ा कर रखा है । गाँव में ज्यादा लोग पाटीदार समाज के है और उन्ही के पास सबसे ज्यादा जमीन भी है । लोगो के पास कब्जे में 8 से 15 बीघा या इससे अधिक जमीन है लेकिन जो खातेदारी हक मिला है उस हक में न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है । गाँव में अधिकतर लोगों को जमीन के खातेदारी पट्टे नहीं मिले है । खेतों को समतलीकरण की आवश्यकता है और असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । गाँव में 1 ही तालाब है लेकिन गहराई कम होने के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव में पानी का स्तर 250 फुट से नीचे है। गाँव में 20 कुएं है, जिनमें साल के ग्रीष्म ऋतु के अंत तक पानी खत्म हो जाता है। गाँव में 1 टूटी हुई नहर है जिससे पिछले 10 साल से पानी की आवक नहीं हुई है । गाँव में 22 हेण्डपम्प है। जिनमें से 15 गर्मी के मौसम में सूख जाते है। सभी हेण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है।वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में लोग गाय, बैल, भैंस व बकरी पालन करते है। गाँव में चरागाह की जमीन बहुत कम है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण पशुओं के लिए प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। पर्याप्त चारा न मिलने की वजह से दुधारू पशु दूध भी कम देते है । खेतों में जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की

एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है या फिर 3-4परिवार वाले मिल कर 15000 से 18000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 600 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए गाँव में 2 प्राइमरी विद्यालय तथा 1 उच्च माध्यमिक स्कूल है। तीनो स्कूलों में विष्याध्यापको की कमी है, अध्यापक समय पर नहीं आते है । प्राथमिक स्कूलों की छत से बारिश में पानी टपकता है और बच्चों के लिए अलग अलग शौचालय भी नहीं है । उच्च माध्यमिक स्कूल में खेल के मैदान की बाउन्ड्री नहीं है और शौचालय की हालत जर्जर है, जिसके मरम्मत के लिए वे प्रार्थना पत्र दे चुके है ।

उपस्वास्थ्य केन्द्र गाँव में पाटीदार बस्ती में है, बडा हॉस्पीटल गाँव से 35 किमी दूर डूंगरपुर शहर में है जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

खेमपुर गाँव के किसानो का एक बड़ा तबका अपने परिवार के लिए पर्याप्त मात्रा में अनाज नहीं उगा पाता है, केवल बारिश के मौसम में ही मुख्य फसल उगा ली जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 250 फुट से भी नीचे चला गया है। अगर वर्तमान में भू-जल स्तर इतना गहराचला गया है तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा, यह एक विकट समस्या बनने वाली है । इसके साथ ही वर्तमान में जो स्थिति बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 20 कुऐं, 1 तालाब है। लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। गाँव में गेहूँ, ग्वार, मक्का, उडद, तुहर, चने की खेती की जाती है, जो कि केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दूकान गाँव में ही खेमपुर में है जहां गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन खेती और नरेगा है, अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । गाँव के एस.टी और एस.सी. समाज के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा के काम में गाँव की ज्यादातर महिलायें जाती है । वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 120 रूपये तक ही दी जाती है।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नहर तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	बारिश का पानी जमा होने से एक तालाब बन गया है । लेकिन वह भी गहरा नहीं है तो पानी नहीं टिक पाता है, बारिश के मौसम में चालू रहता है लेकिन बारिश के मौसम के बाद सूख जाता है । 1 नहर है जिनकी हालत खस्ता और टूटी हुई है । 10 सालों से उसमे पानी नहीं आया है । गाँव में 20 कुएं और 22 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँवमें तालाब के सूख जाने से गर्मी समाप्त होने से पहले ही सभी में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	गाँव वासियों के अनुसार यदि तालाब को गहरा करवा कर रिंगवाल बने तो ज्यादा समय तक पानी रह सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । टूटी हुई नहर कों भी ठीक करवा के सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सकता है । छोटी पहाडीयों पर कच्चे पक्के चेकडेम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का तो जलस्तर ऊंचा होगा ही तालाब में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह	गाँव के जंगल और पहाड़ पर वन विभाग का कब्ज़ा है लेकिन बिलानाम जमीन अभी गाँव के कब्जे में है । अपने अपने कब्जे की का पट्टा सभी को नहीं मिला है । जिन्हें मिला है वो परिवार और पशुपालन के लिए पर्याप्त नहीं है । जमीन समतल नहीं है, अधिकतर छोटी पहाड़िया,उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है। गाँव की चारागाह जमीन पर सरकार का कब्ज़ा है । समतल भूमि ही सिंचित है असिंचित भूमि परबरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है।	सभी को उनकी हक की जमीन का पट्टा मिले । गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को सरकार की अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव की पक्की सड़के टूट गयी है उनमे खड्डे पड़ गये है । कच्ची सड़के और सी.सी. सड़क की हालत भी ख़राब है । सड़को के किनारे नालियों के न होने से	गाँव की पक्की सड़क को सही किया जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चोड़ा करके पुनः बनाया जाये । साथ

	गन्दा पानी रोड पर आ जाता है ।	ही पक्की सड़कों के किनारों पर नालियाँ निकाली जाये और रोड लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए ।
स्कूल	गाँव में 2 प्राइमरी स्कूल और 1 उच्च माध्यमिक स्कूल है। प्राइमरी स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है। उच्च माध्यमिक स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है । स्कूलों में अध्यापक भी कम है तीनों स्कूलों में कम से कम 21 अध्यापकों की आवश्यकता है ।	प्राइमरी स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवा कर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। उच्च माध्यमिक स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. लगाया जा सकता है । शिक्षा विभाग कों पत्र लिख कर अध्यापकों की नियुक्ति करवाना ।
चौराहा	गाँव के चौराहे पर पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है और ना ही शौचालय है	छोटा आर.ओ. प्लांट और शौचालय निर्माण करवाना है ।
शमशान घाट	गाँव का दोनों शमशान घाट पूरी तरह से टूट चुके है, ना तो वहां पर टीनशेड है ना ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और एक बैठक के लिए भवन बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	**समस्याएं**	**सार्वजनिक/ व्यक्तिगत**	**कारण**	**समाधान**	**तात्कालिक/ दीर्घकालिक**
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव के प्राथमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल में छात्रों की तुलना में अध्यापक कम है । जो नियुक्त है वो भी समय पर नहीं आते है । प्राइमरी स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है। उच्च माध्यमिक स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति	गाँव के स्कूलों में पूरे अध्यापक लगाये जाये और उच्च माध्यमिक स्कूल में सभी व्यवस्थाये पूरी और अच्छी दी जाये । प्राथमिक स्कूलों की मरम्मत करवाई जाये । अध्यापकों कों समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये । स्कूल में आर.ओ. लगाया जाये ।	**तात्कालिक**

			सही नहीं है ।पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है ।		
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 20 कुएं और 22 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, सभी चालू हैंडपंप और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है । गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 250 फिट से निचे चला गया है।	बंद पड़े हैंडपंप को चालू करवाना और चालू हैंडपंप जो अच्छा पानी देते है उनके उपर छोटे आर.ओ. प्लांट लगाये जा सकते है । गाँव के दूषित जल से प्रभावित बस्ती में छोटे आर.ओ. प्लांट लगाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में पहाडियों पर कच्चे पक्के चेकडैम निर्माण करना और गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	**दीर्घकालिक**
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की अधिकतर भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए एक नहर थी वो भी काफी समय से बंद है । 1 तालाब है लेकिन कम गहरा होने और बोरवेल की संख्या अधिक होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण। गाँव के नाले में पानी रोकने की योजना। दैनिक उपयोग में लेने के लिए पानी के टांके बनवाना ।	**तात्कालिक**
4	**रास्ते की**	**सार्वजनिक**	गाँव की पक्की सड़क टूट	गाँवसभा कमेटियों के गठन	**तात्कालिक**

	समस्या		गयी है, गाडियों के गिट्टी में फिसलने से दुर्घटना होती रहती है । सी.सी. सड़के भी टूट गयी है, कच्चे रास्ते की भी समस्या रहती है ।	के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटे हुए रास्तों कों फिर से ठीक करना और कच्ची सड़क कों सी.सी. सड़क में बदलना । सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना ।	
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत**	गाँव कुछ ऐसे बुजुर्ग भी है जिनका नाम पेंशन सुविधा से नहीं जुडा है । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है। आवास योजना में भी जिनके मकान बन गये है उनको पूरा भुगतान नहीं हुआ है । शौचालय निर्माण के किस्ते भी कुछ लोगो की बाकी है ।	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	वर्तमान में सरकार ने जमीनों के पट्टे देना बंद कर दिया है । जिससे जो लोग कई पीढ़ियों से गाँवमें बसे हैं उन्हें उनकी काबिज जमीन का खातेदारी हक नहीं मिला है। सरकार की अघोषित नीतियों के कारण राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण भविष्य में	पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**

			उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।		
7	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दूकान पर अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है, अन्य रसोई का सामान नहीं मिलता है । उज्ज्वला गैस कनेक्शन भी मिलना बाकी है ।	जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना । और ऐसे जगह लगाना जहाँ इन्टरनेट की समस्या ना हो ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	टूटी हुई पक्की रोड कों सही नहीं करना, कच्चे रास्तों को सी.सी. सड़क से नहीं जोड़ना और रोड किनारे नालिया और लाइट की व्यवस्था न होना ।	रास्ते ठीक होने से गाँवमें साधन आ जा सकते हैं जिससे छोटे मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी।सड़क सही होने और रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी ।	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना, सरकार तथा पंचायत की उदासीनता और गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना ।
जल तालाब नहर कुआं बोरवेल हैंड पंप	गाँव में 1 तालाब है लेकिन कम गहरा होने की वजह से गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । बोरवेल भी जयादा है,	कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, नहर को सही करके पानी फिर से चालू किया जाये । पानी को रोकने के लिए पक्की टंकी का निर्माण करवाना	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्ययोजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।

	जिससे भूमिगत स्तर निचे जा रहा है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना ।	। बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल के बजाय कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से निचे न जाये ।	
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। उन्नत कृषि तकनीकी का अभाव अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का अभाव।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलू उद्योग भी किये जा सकते है।	उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना । जंगल में बबूल और कटीली झाडिया है जिससे भूमि भी बंजर हो रही है ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना।गाँवकी सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

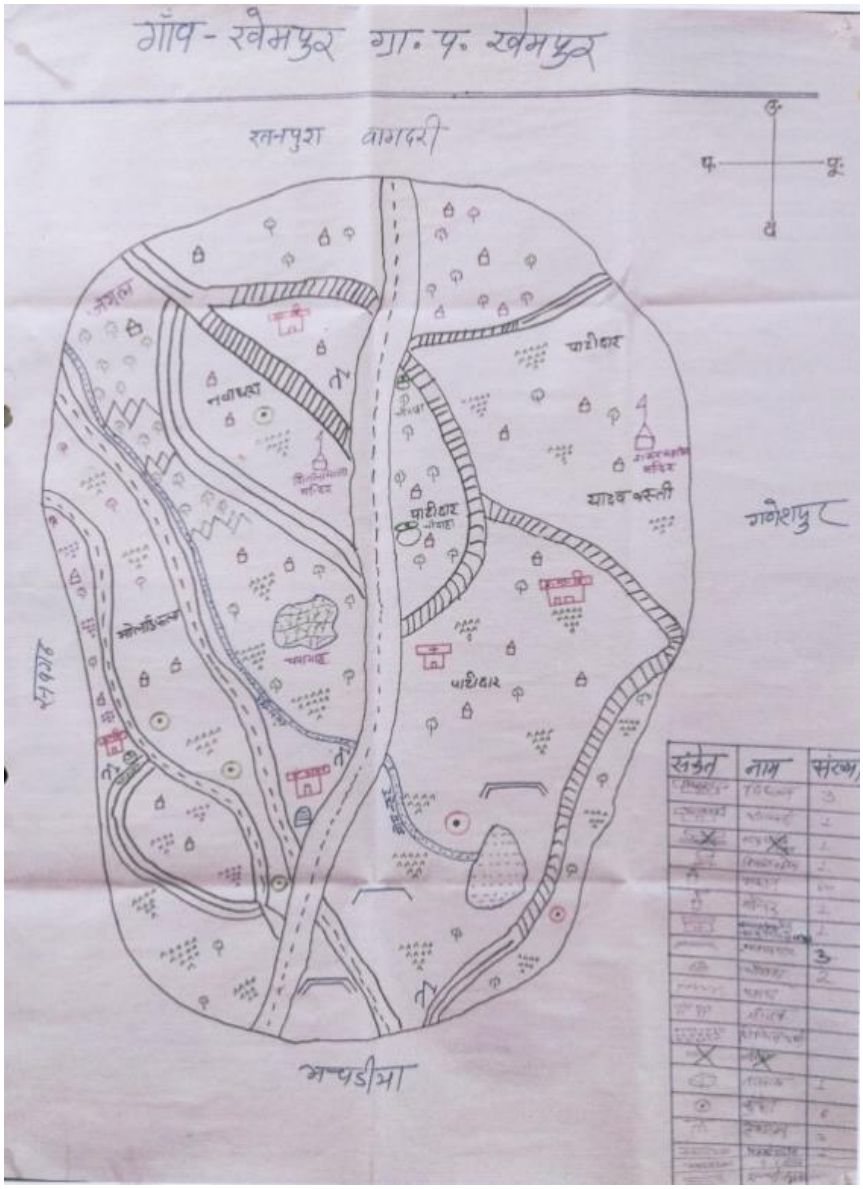

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
विधवा पेंशन	1
विकलांग पेंशन	2
पालनहार योजना	3
पी.एम., सी.एम. आवास योजना नये निर्माण एवं बकाया भुगतान	44

शौचालय बकाया भुगतान	3
स्कूल के सम्बन्ध में रा.उ.मा. वि. खेमपुर में अध्यापक नियुक्ति रा.प्रा.वि. मोलाईफला में अध्यापक नियुक्ति रा.प्रा.वि. नवाघरा में अध्यापक नियुक्ति रा.उ.मा. वि. खेमपुर में खेल का मैदान, परकोटा व फर्नीचर रा.प्रा.वि. मोलाईफला में परकोटा निर्माण रा.प्रा.वि. नवाघरा में खेल मैदान निर्माण	 14 5 2
राशन की दुकान के सम्बन्ध में	1
आंगनवाडी केंद्र निर्माण	3
मा-बाड़ी केंद्र निर्माण	1
खेमपुर तालाब गहरीकरण कार्य	1
हैंडपंप नया / पुराना मरम्मत	4+3
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> खेत समतलीकरण मेड़बंदी, रिंगवाल कुआं गहरीकरण मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	 60
एनिकट निर्माण	1
चेकडैम निर्माण	7
शमशान घाट निर्माण	2
आर.ओ. निर्माण	1
वृक्षारोपण	4
उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण	1
सामुदायिक भवन निर्माण	1
चारागाह भूमि के चारों ओर परकोटा निर्माण	
सामाजिक विवाद निपटारा	
सामाजिक कुरीतियों पर रोक	
बकाया नरेगा भुगतान	2
सामुदायिक वन दावा के सम्बन्ध में	

गाँव विकास प्रस्ताव

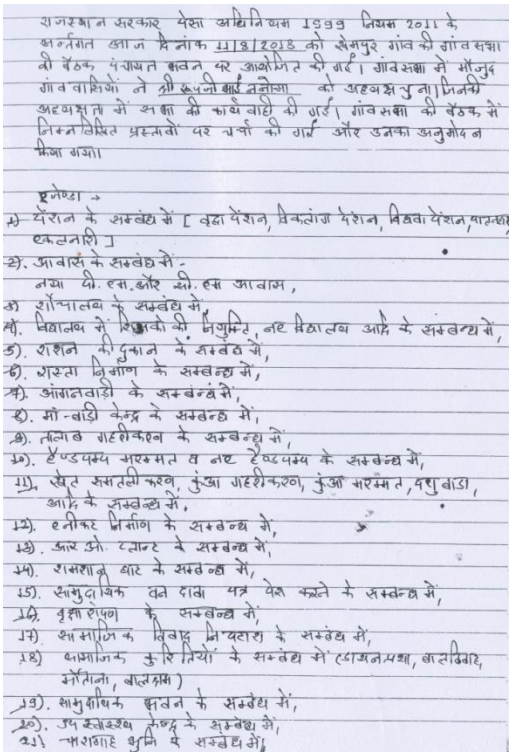

राजस्थान सरकार पेसा अधिनियम 1999 नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 11/8/2018 को खेमपुर गांव की गांवसभा की बैठक पंचायत भवन पर आयोजित की गई। गांवसभा में मौजुद गांव वासियों ने श्री रूपजी भाई ननोमा को अध्यक्ष चुना। जिनकी अध्यक्षता में सभा की कार्यवाही की गई। गांवसभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा →

1) पेंशन के सम्बंध में [वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, पालनहार, एकलनारी]
2). आवास के सम्बंध में -
नया पी. एम. और सी. एम आवास,
3) शौचालय के सम्बंध में,
4). विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति, नए विद्यालय आदि के सम्बन्ध में,
5). राशन की दुकान के सम्बंध में,
6). रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में,
7). आंगनवाड़ी के सम्बन्ध में,
8). मां-बाड़ी केन्द्र के सम्बन्ध में,
9). तालाब गहरीकरण के सम्बन्ध में,
10). हैण्डपम्प मरम्मत व नए हैण्डपम्प के सम्बन्ध में,
11). खेत समतलीकरण, कुंआ गहरीकरण, कुंआ मरम्मत, पशु बाडा, आदि के सम्बन्ध में,
12). एनीकट निर्माण के सम्बन्ध में,
13). आर ओ. प्लान्ट के सम्बन्ध में,
14). शमशान घाट के सम्बन्ध में,
15). सामुदायिक वन दावा पत्र पेश करने के सम्बन्ध में,
16). वृक्षारोपण के सम्बन्ध में,
17) सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बंध में,
18) सामाजिक कुरितियों के सम्बंध में (डायनप्रथा, बालविवाह, मौताना, बालश्रम)
19). सामुदायिक भवन के सम्बंध में,
20). उप स्वास्थ्य केन्द्र के सम्बंध में,
21) चारागाह भुमि के सम्बंध में,

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत ......खेमपुर..............

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम खेमपुर......

प्रतिलिपि :-
1. श्रीमान विकास अधिकारी ....दोवडा.......
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय ..डूंगरपुर
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी डूंगरपुर
4. निजी रिकॉर्ड

नर्वदा — अध्यक्ष
सचिव
गांव गणराज्य ग्राम सभा
गोलाई फला
ब्लॉक दोवडा

सरपंच
ग्राम पंचायत खेमपुर
पं.स. दोवडा जि. डूंगरपुर

दिनांक 25/9/2018

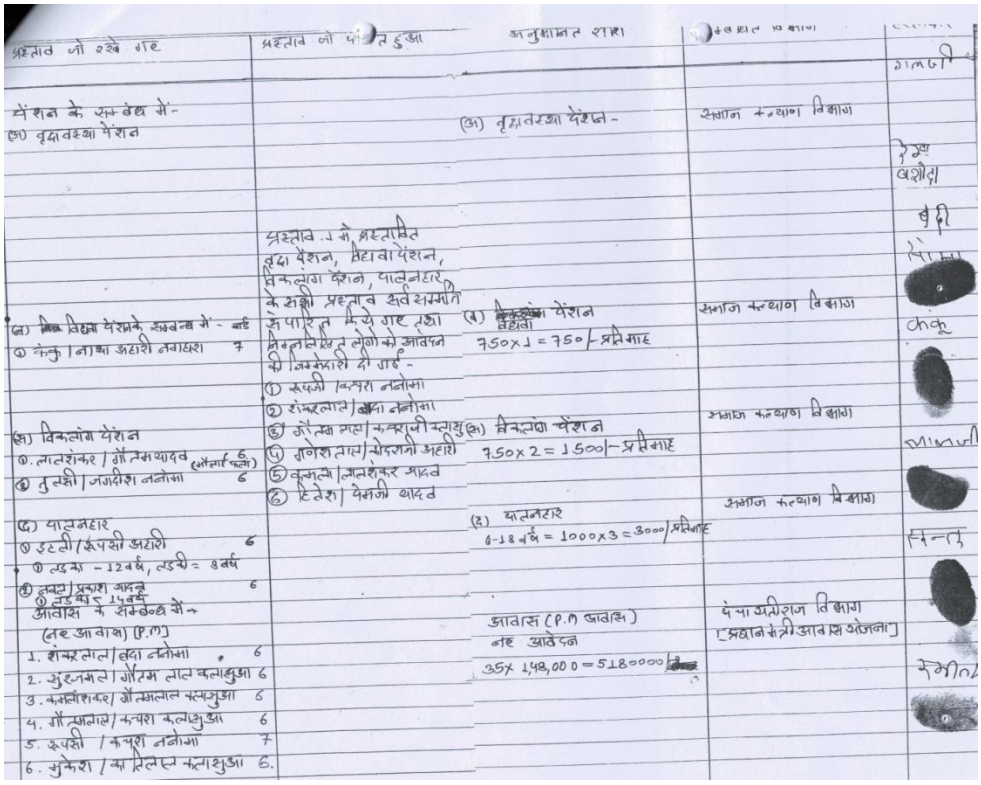

प्रस्ताव जो रखे गए	प्रस्ताव जो पा[illegible]त हुआ	अनुमानित राशि	[illegible] विभाग	[illegible]
				गलजी
पेंशन के सम्बंध में- (अ) वृद्धावस्था पेंशन		(अ) वृद्धावस्था पेंशन -	समाज कल्याण विभाग	हेमा यशोदा बद्री सेवा
(ब) ~~विध~~ विधवा पेंशनके सम्बन्ध में - वार्ड ① कंकु / नाथा अहारी नवाघरा 7	प्रस्ताव 1 में प्रस्तावित वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, पालनहार के सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए तथा निम्नलिखित लोगों को आवेदन की जिम्मेदारी दी गई - ① रूपजी / कचरा ननोमा ② शंकरलाल / बाधा ननोमा ③ गौतम लाल / कचराजी कलासुआ ④ गणेशलाल / कोदराजी अहारी ⑤ कमला / लालशंकर यादव ⑥ हितेश / पेमजी यादव	(ब) ~~विकलांग~~ विधवा पेंशन 750×1 = 750/- प्रतिमाह	समाज कल्याण विभाग	कंकू
(स) विकलांग पेंशन ①. लालशंकर / गौतमयादव (मौलाई फला) 6 ② तुलसी / जगदीश ननोमा 6		(स) विकलांग पेंशन 750×2 = 1500/- प्रतिमाह	समाज कल्याण विभाग	मानजी
(द) पालनहार ① इटली / रूपसी अहारी 6 ① लड़का - 12 वर्ष, लड़की = 8 वर्ष ② नवल / प्रकाश यादव 6 ① लड़का ≤ 15 वर्ष		(द) पालनहार 6-18 वर्ष = 1000×3 = 3000/ प्रतिमाह	समाज कल्याण विभाग	सन्तु
आवास के सम्बन्ध में - (नए आवास) [P.M] 1. शंकरलाल / वदा ननोमा 6 2. सुरजमल / गौतम लाल कलासुआ 6 3. कमलाशंकर / गौतमलाल कलासुआ 6 4. गौतमलाल / कचरा कलासुआ 6 5. रूपसी / कचरा ननोमा 7 6. मुकेश / कातिलाल कलासुआ 6.		आवास (P.M आवास) नए आवेदन 35× 1,48,000 = 5180000/-	पंचायतीराज विभाग [प्रधानमंत्री आवास योजना]	रमीला

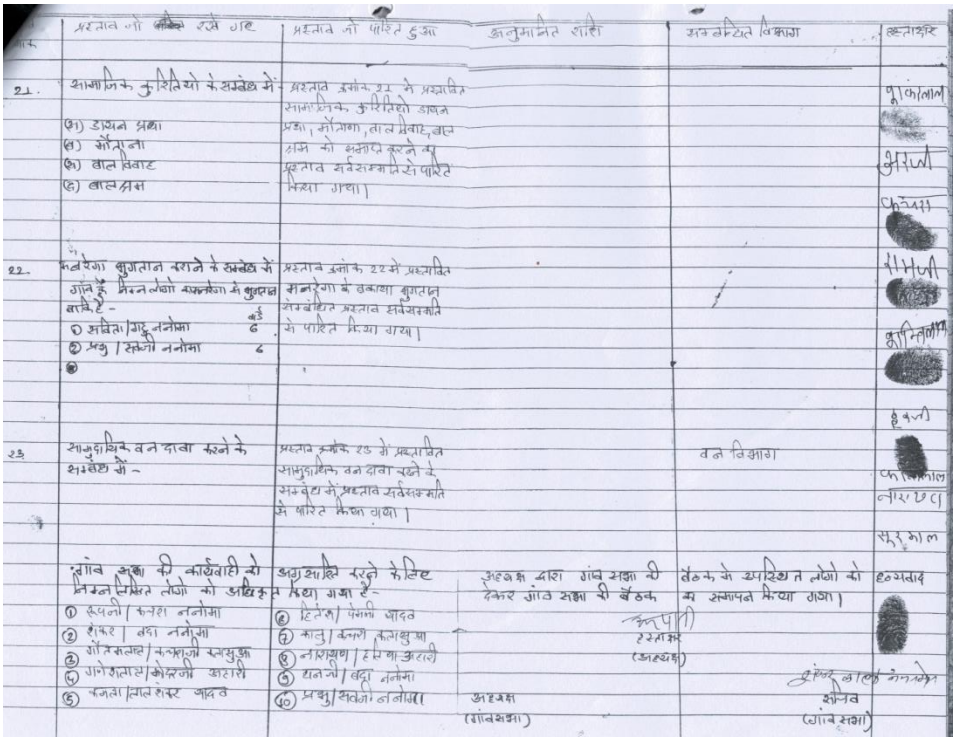

[illegible]	प्रस्ताव जो ~~[illegible]~~ रखे गए	प्रस्ताव जो पारित हुआ	अनुमानित राशि	सम्बन्धित विभाग	हस्ताक्षर
21.	सामाजिक कुरितियो के सम्बंध में - (अ) डायन प्रथा (ब) मौताना (स) बाल विवाह (द) बाल श्रम	प्रस्ताव क्रमांक 21 मे प्रस्तावित सामाजिक कुरितियो डायन प्रथा, मौताणा, बाल विवाह, बाल श्रम को समाप्त करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।			पूंजीलाल भरत पन्नालाल
22.	मनरेगा भुगतान कराने के सम्बंध में गांव के निम्न लोगो का मनरेगा मे भुगतान बाकि है - वार्ड ① सविता / गट्टू ननोमा 6 ② प्रभु / सवजी ननोमा 6 ③	प्रस्ताव क्रमांक 22 में प्रस्तावित मनरेगा के बकाया भुगतान सम्बंधित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।			रामजी कुरिमलाल
23.	सामुदायिक वन दावा करने के सम्बंध में -	प्रस्ताव क्रमांक 23 में प्रस्तावित सामुदायिक वन दावा रखने के सम्बंध में प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।		वन विभाग	हुकजी कान्तिलाल नारायण सूरजमल
	गांव सभा की कार्यवाही को निम्नलिखित लोगो को अधिकृत ① रूपजी / कचरा ननोमा ② शंकर / वदा ननोमा ③ गौतमलाल / कचराजी कलासुआ ④ गणेशलाल / कोदरजी अहारी ⑤ कमला / लालशंकर यादव	अग्रसारित करने के लिए किया गया है - ⑥ हितेश / पेमजी यादव ⑦ कालु / कचरा कलासुआ ⑧ नारायण / हरिया अहारी ⑨ धनजी / वदा ननोमा ⑩ प्रभु / सवजी ननोमा	अध्यक्ष द्वारा गांव सभा की देकर गांव सभा की बैठक रूपजी हस्ताक्षर (अध्यक्ष) अध्यक्ष (गांवसभा)	बैठक मे उपस्थित लोगो को का समापन किया गया। शंकर लाल ननोमा सचिव (गांव सभा)	धन्यवाद

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

भीमराज	9898712522
कांता	
शंकर ननोमा	8769286709
पुष्पा	8003657434
कमला	9680483472
सविता	7742344254